बैगन में एकीकृत पोषक तत्व प्रबन्धन

एकीकृत पोषक तत्व प्रबन्धन संतुलित मात्रा में खाद एवं उर्वरकों के प्रयोग की वह आधुनिक विधि है जिसमें रासायनिक उर्वरकों के साथ–साथ जैविक खाद का प्रयोग इस अनुपात में किया जाता है कि पैदावार अधिक लाभप्रद एवं टिकाऊ हो। इसके साथ ही साथ पर्यावरण एवं मिट्टी की भौतिक दशा में भी सुधार हो।

एकीकृत पोषक तत्व प्रबन्धन के मुख्य घटक

उर्वरक	कार्बनिक खादें	जैविक उर्वरक	सूक्ष्म पोषक तत्व
रासायनिक उर्वरक	गोबर की खाद, चीनी मिल की खाद (प्रेसमड) उपचारित सीवेज सजल ऊनी गलीचे की बुजबुन केचुये की खाद, सनई ढैंचा की हरी खाद, कम्पोस्ट खाद	एजोटोबैक्टर, एजोस्पाइरिलम, राइजोबियम, वेसकुलर आरवस्कुलर, माइकोराइजा (वैम), फास्फोरक विलेयक (पी.एस.वी. एवं पी.एस.एम.)	जिंक, बोरान, मालोब्डेनम, कॉपर, मैगनीज, आयरन गौण तत्व–सल्फर

क्या करें ?

पौध रोपाई के पूर्व कम से कम 6 महीने पुरानी प्रेसमड 5 टन प्रति हैक्टयेर की दर से खेत में डालें। नत्रजन, फास्फोरस, पोटाश 120:60:60 कि.ग्रा. प्रति है. की दर से दें। फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा तथा नाइट्रोजन की एक तिहाई मात्रा रोपाई के 30 व 45 दिन के बाद खड़ी फसल में छिड़काव (टापड्रेसिंग) करें। इसके साथ–साथ एजोस्पाइरिलम एवं पी.एस.एम. की 10 कि.ग्रा. मात्रा प्रति हैक्टेयर की दर से खेत में मिलायें तथा जिंक एवं बोरान का 50 पी.पी.एम. के घोल का रोपाई के 30, 45 एवं 75 दिन बाद पर्णीय छिड़काव करें।

- बैगन की अच्छी रोगरोधी एवं अधिक उपज देने वाली प्रजातियों का चयन करें। जैसे संकर, बैगन निशा (लम्बा), जानभ (गोल) मुक्त परागित बैगन पंजाब सदाबहार (लम्बा), पन्त ऋतुराज, (गोल) इत्यादि प्रजातियों को उगायें।
- रासायनिक उर्वरकों की संतुलित मात्रा (एन.पी.के. 2:1:1) में उपयोग करें।
- मृदा परीक्षण के आधार पर ही उर्वरकों का प्रयोग करें।
- उचित समय पर सिंचाई करें।
- फास्फोरस की पूर्ति के लिये जहाँ तक संभव हो सिंगिल सुपर फास्फेट का प्रयोग करें क्योंकि इसमें 12% सल्फर भी पायी जाती है।

क्यों करें ?

एकीकृत पोषक तत्व प्रबन्धन में कार्बनिक खादों के साथ–साथ रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग से न केवल अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है बल्कि इनके लम्बे समय तक प्रयोग से भूमि की उर्वरता स्तर में भी सुधार होता है।

Downloaded from www.uphorticulture.gov.in
Internet Copy

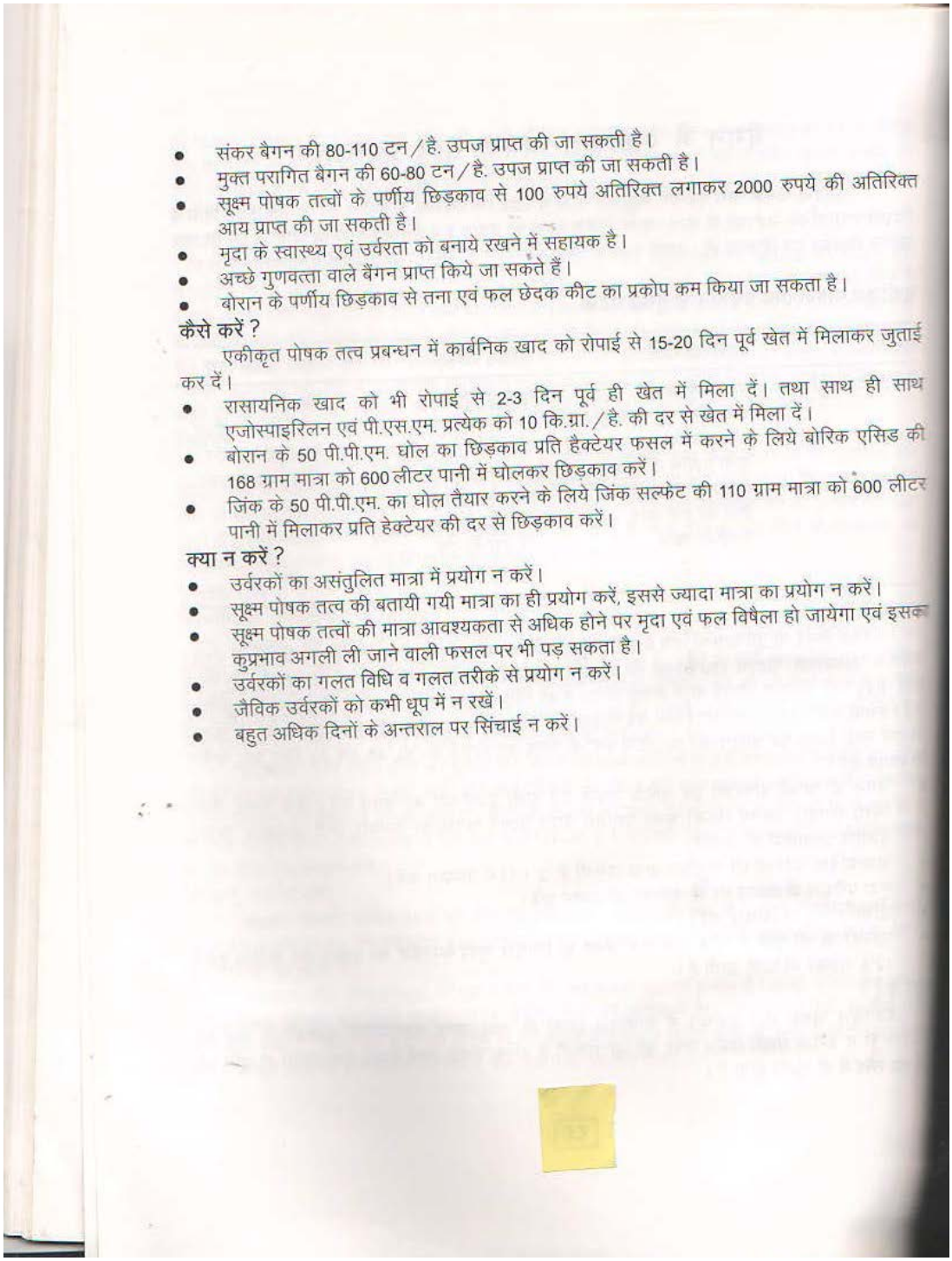

- संकर बैगन की 80-110 टन / है. उपज प्राप्त की जा सकती है।
- मुक्त परागित बैगन की 60-80 टन / है. उपज प्राप्त की जा सकती है।
- सूक्ष्म पोषक तत्वों के पर्णीय छिड़काव से 100 रुपये अतिरिक्त लगाकर 2000 रुपये की अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सकती है।
- मृदा के स्वास्थ्य एवं उर्वरता को बनाये रखने में सहायक है।
- अच्छे गुणवत्ता वाले बैंगन प्राप्त किये जा सकते हैं।
- बोरान के पर्णीय छिड़काव से तना एवं फल छेदक कीट का प्रकोप कम किया जा सकता है।

कैसे करें ?

एकीकृत पोषक तत्व प्रबन्धन में कार्बनिक खाद को रोपाई से 15-20 दिन पूर्व खेत में मिलाकर जुताई कर दें।

- रासायनिक खाद को भी रोपाई से 2-3 दिन पूर्व ही खेत में मिला दें। तथा साथ ही साथ एजोस्पाइरिलन एवं पी.एस.एम. प्रत्येक को 10 कि.ग्रा. / है. की दर से खेत में मिला दें।
- बोरान के 50 पी.पी.एम. घोल का छिड़काव प्रति हैक्टेयर फसल में करने के लिये बोरिक एसिड की 168 ग्राम मात्रा को 600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
- जिंक के 50 पी.पी.एम. का घोल तैयार करने के लिये जिंक सल्फेट की 110 ग्राम मात्रा को 600 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

क्या न करें ?

- उर्वरकों का असंतुलित मात्रा में प्रयोग न करें।
- सूक्ष्म पोषक तत्व की बतायी गयी मात्रा का ही प्रयोग करें, इससे ज्यादा मात्रा का प्रयोग न करें।
- सूक्ष्म पोषक तत्वों की मात्रा आवश्यकता से अधिक होने पर मृदा एवं फल विषैला हो जायेगा एवं इसका कुप्रभाव अगली ली जाने वाली फसल पर भी पड़ सकता है।
- उर्वरकों का गलत विधि व गलत तरीके से प्रयोग न करें।
- जैविक उर्वरकों को कभी धूप में न रखें।
- बहुत अधिक दिनों के अन्तराल पर सिंचाई न करें।

Downloaded from www.uphorticulture.gov.in
Internet Copy